



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—वर्ष 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

8/2
27/11

सं. 94] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 23, 1989/ज्येष्ठ 2, 1911

No. 94] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 23, 1989/JYAVISTHA 2, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लिए में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

मूलना और प्रसारण मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 2-पी.आर.-एन.पी./89

नई दिल्ली, 23 मई 1989

फाइल सं 2/13/86-एम.यू.सी. (भाग-2).—प्रेम और पुनर्क पंजीकरण विविधम,
1867 में दी गई परिभाषा के अनुसार समाचार पत्रों और पत्रिकाओं को उनकी प्रसार संख्या

के आधार पर, 1 अप्रैल, 1989 में नीचे दिए गए अनुसार बड़े, मध्यम और छोटे कार्गों में
वर्गीकृत किया जाएगा :—

प्रति प्रकाशन दिवस की प्रतार संख्या

वर्ग	मौजूदा	मंशोधित
छोटे	15,000 प्रतियों से कम	25,000 प्रतियों तक
मध्यम	15,000 से 50,000 प्रतियां	25,000 से अधिक और 75,000 प्रतियों तक
बड़े	50,000 प्रतियों से अधिक	75,000 प्रतियों से अधिक

केसर सिंह बैद्यवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

PUBLIC NOTICE NO. 2-PR-NP/89

New Delhi, the 23rd May, 1989

File No. 2/13/86-MUC (Vol. II).—The newspapers and periodicals as defined in the Press and Registration of Books Act, 1867 shall, based on their circulation, be classified into Big, Medium and Small categories as indicated below with effect from 1st April, 1989 :—

CIRCULATION PER PUBLISHING DAY

Category	Existing	Revised
Small	Below 15,000 copies	Upto 25,000 copies
Medium	15,000 to 50,000 copies	Above 25,000 and upto 75,000 copies
Big	Above 50,000 copies	Above 75,000 copies

K.S. BAIDWAN, Jt. Secy.